डॉ. परिमल प्रियदर्शी
पाठ्यक्रम संयोजक
एम.ए. इतिहास पाठ्यक्रम

ऐसे विद्यार्थी जो एम.ए. इतिहास (सत्र-2019-2021) द्वितीय वर्ष के छात्र हैं, उन सभी विद्यार्थियों की सूची निदेशालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आप सभी प्रवेशित विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि एम.ए. इतिहास के द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य अपने आवंटित अभ्यास केंद्र पर लिखकर 31 मार्च, 2021 तक प्रस्तुत करें। एम.ए. इतिहास द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) के सत्रीय कार्य का विवरण निम्नलिखित है-

एमएएचएस 11 – आधुनिक इतिहास लेखन एवं इतिहासकार

एमएएचएस 12 – भारत में अंग्रेजों का आगमन

एमएएचएस 13 – भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का उत्थान व विकास

एमएएचएस 14 – स्वातंत्र्योत्तर भारत

एमएएचएस 15 – परियोजना कार्य

उद्देश्य –

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें एवं अपने शब्दोंमें लिख सकें, इसका तात्पर्य यह है कि निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रूप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यवहारिक रूप से सोच विचार करके अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यवहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक मूल्यांकन, विद्वानों के बारे में आपकी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आपके परीक्षक उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर करेंगे।

निर्देश-

सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़ें एवं इनका अनुपालन करें –

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखें।
2. अपनी उत्तर पुस्तिका की बाईं ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखें।

(Cover Page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से प्रारंभ होगा:

अध्ययन केंद्र का नाम: ....

पंजीयन संख्या: ....

नामांकन संख्या: ....

नाम: ....

पता: ....

...

मो.: ....

ई-मेल: ....

दिनांक: ....

पाठ्यक्रम का नाम: एम.ए. इतिहास

प्रश्न पत्र का शीर्षक :...........................

प्रश्न-पत्र कोड :...................................

विद्यार्थी का हस्ताक्षर

1. प्रस्तुत सत्रीय कार्य को "स्वयं मेरे द्वारा सत्रीय कार्य पूरा करने के पश्चात् प्रस्तुत किया जा रहा है" लिखकर एवं स्व-प्रमाणित/हस्ताक्षरित कर प्रेषित करें।
2. सत्रीय कार्य लेखन के लिए केवल फुलस्केप (A4) आकार के कागज का ही इस्तेमाल करें एवं एक ही तरफ लेखन कार्य करें।
3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. अपनी हस्तलिपि (Hand Written) में ही लेखन कार्य करें।

प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों को ध्यान पूर्वक पढ़ने के पश्चात, पूछे गए प्रश्नों का ही उत्तर लिखें।
2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।

पाठ्यक्रम संयोजक

(एम.ए. इतिहास)

शुभकामनाओं के साथ!

एम.ए. इतिहास (सत्र 2019-2021) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएचएस 11**
प्रश्न पत्र :	**आधुनिक इतिहास लेखन एवं इतिहासकार**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021 तक अध्ययन केन्द्र में प्रस्तुत करें।**

कुल = 30

नोट – निम्नलिखित पाँच में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या 01 : प्राच्यवादी इतिहास लेखन के संदर्भ में विलियम जोंस के योगदान का मूल्यांकन करें?

प्रश्न संख्या 02 : जेम्स मिल ने भारतीय इतिहास लेखन को कैसे प्रभावित किया? सोदाहरण समझाएँ।

प्रश्न संख्या 03 : मार्क ब्लॉख के इतिहासलेखन की मुख्य प्रवृत्तियों की विवेचना करें?

प्रश्न संख्या 04 : इतिहास के प्रति 'इ.एच.आर' के नजरिये पर एक निबंध लिखें?

प्रश्न संख्या 05 : आधुनिक वैज्ञानिक इतिहासलेखन का जनक 'रेंके' ही था। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? तर्क सहित व्याख्या करें।

एम.ए. इतिहास (सत्र 2019-2021) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएचएस 12**
प्रश्न पत्र :	**भारत में अंग्रेजों का आगमन**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021 तक अध्ययन केन्द्र में प्रस्तुत करें।**

कुल = 30

नोट – निम्नलिखित पाँच में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या 01 : अठराहवीं सदी में पंजाब में सिक्खों के उदय पर प्रकाश डालिए। पंजाब में रणजीत सिंह के प्रशासन की चर्चा कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : पहले तीन पेशवाओं के नेतृत्व में मराठा साम्राज्य के उदय पर प्रकाश डालिए। वह जिन्दा क्यों नहीं रह सका?

प्रश्न संख्या 03 : स्थाई बन्दोबस्त की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उसके गुण-दोषों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 04 : किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(क) झाँसी की रानी (ख) कुँवर सिंह (ग) तात्या टोपे

प्रश्न संख्या 05 : भारत में समाचार पत्रों के उदय एवं विकास का उल्लेख कीजिए।

एम.ए. इतिहास (सत्र 2019-2021) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएचएस 13**
प्रश्न पत्र :	**भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का उत्थान व विकास**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021 तक अध्ययन केन्द्र में प्रस्तुत करें।**

कुल = 30

नोट – निम्नलिखित पाँच में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या 01 : स्वामी विवेकानंद के विचारों व कार्यों का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : बीसवीं सदी के आरंभ में जुझारू राष्ट्रवाद या गरम पंथ के विकास पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 03 : सविनय अवज्ञा आंदोलन को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न संख्या 04 : पूर्ण स्वराज के लिए रचनात्मक कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक है। इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : क्रिप्स मिशन प्लान पर टिप्पणी लिखिए।

एम.ए. इतिहास (सत्र 2019-2021) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएचएस 14**
प्रश्न पत्र :	**स्वातंत्र्योत्तर भारत**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021 तक अध्ययन केन्द्र में प्रस्तुत करें।**

कुल = 30

नोट – निम्नलिखित पाँच में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या 01 : विनोबा भावे के भूदान आंदोलन पर प्रकाश डालिए?

प्रश्न संख्या 02 : जनजातीय आंदोलन पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न संख्या 03 : गुटनिरपेक्षता के भारतीय दृष्टिकोण को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न संख्या 04 : आपातकाल देश पर एक कलंक था? व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : वैश्वीकरण का भारतीय समाज पर क्या प्रभाव पड़ा?

एम.ए. इतिहास (सत्र 2019-2021) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएचएस 15**
प्रश्न पत्र :	**परियोजना कार्य**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021 तक अध्ययन केन्द्र में प्रस्तुत करें।**

कुल = 100

अब तक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर में विद्यार्थियों द्वारा पढ़े गए विभिन्न प्रश्नपत्रों में से किसी एक पर परियोजना कार्य के रूप में लगभग 40 पृष्ठों में हस्तलिखित विनिबंध तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा से पूर्व दूर शिक्षा निदेशालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

विनिबंध संबंधी सलाह के लिए पाठ्यक्रम संयोजक से संपर्क किया जा सकता है।

(पाठ्यक्रम संयोजक)
मो. नं. 8788712148

डॉ. परिमल प्रियदर्शी
पाठ्यक्रम संयोजक
एम.ए. इतिहास पाठ्यक्रम

ऐसे विद्यार्थी जो एम.ए. इतिहास (सत्र-2019-2021) द्वितीय वर्ष के छात्र है, उन सभी विद्यार्थियों की सूची निदेशालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आप सभी प्रवेशित विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि एम.ए. इतिहास के द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य अपने आवंटित अभ्यास केंद्र पर लिखकर 31 मार्च, 2021 तक प्रस्तुत करें। एम.ए. इतिहास द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर) के सत्रीय कार्य का विवरण निम्नलिखित है-

एमएएचएस 16 – भारत में भाषायी व क्षेत्रीय आंदोलन

एमएएचएस 17 – आधुनिक भारत-विचार एवं विचारक

एमएएचएस 18 – भारतीय संविधान

एमएएचएस 19 – भारत में पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय इतिहास

एमएएचएस 20 – लघु शोध प्रबंध

उद्देश्य –

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें एवं अपने शब्दों में लिखसकें, इसका तात्पर्य यह है कि निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रूप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यवहारिक रूप से सोच विचार करके अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यवहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक मूल्यांकन, विद्वानों के बारे में आपकी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आपके परीक्षक उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर करेंगे।

निर्देश-

सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़ें एवं इनका अनुपालन करें –

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखें।
2. अपनी उत्तर पुस्तिका की बाईं ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखें।

(Cover Page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से प्रारंभ होगा:

अध्ययन केंद्र का नाम: ....

पंजीयन संख्या: ....

नामांकन संख्या: ....

नाम: ....

पता: ....

...

मो.: ....

ई-मेल: ....

दिनांक: ....

पाठ्यक्रम का नाम: एम.ए. इतिहास

प्रश्न पत्र का शीर्षक :...........................

प्रश्न-पत्र कोड :...................................

विद्यार्थी का हस्ताक्षर

1. प्रस्तुत सत्रीय कार्य को ''स्वयं मेरे द्वारा सत्रीय कार्य पूरा करने के पश्चात् प्रस्तुत किया जा रहा है'' लिखकर एवं स्व-प्रमाणित/हस्ताक्षरित कर प्रेषित करें।
2. सत्रीय कार्य लेखन के लिए केवल फुलस्केप (A4) आकार के कागज का ही इस्तेमाल करें एवं एक ही तरफ लेखन कार्य करें।
3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. अपनी हस्तलिपि (Hand Written) में ही लेखन कार्य करें।

प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों को ध्यान पूर्वक पढ़ने के पश्चात, पूछे गए प्रश्नों का ही उत्तर लिखें।
2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।

पाठ्यक्रम संयोजक

(एम.ए. इतिहास)

शुभकामनाओं के साथ!

एम.ए. इतिहास (सत्र 2019-2021) चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएचएस 16**
प्रश्न पत्र :	**भारत में भाषायी व क्षेत्रीय आंदोलन**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021 तक अध्ययन केन्द्र में प्रस्तुत करें।**

कुल = 30

नोट – निम्नलिखित पाँच में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या 01 : उत्तर-पूर्व में अलगाववाद और क्षेत्रवाद के क्या कारण थे?

प्रश्न संख्या 02 : नवसामाजिक आंदोलन के रूप में दलित विमर्श का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : काश्मीर में अलगाववादी आंदोलन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 04 : भाषा आयोग के गठन पर प्रकाश डालिए। यह देश हित में कहाँ तक उचित था?

प्रश्न संख्या 05 : उत्तराखंड राज्य आंदोलन क्यों चलाया गया?

एम.ए. इतिहास (सत्र 2019-2021) चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएचएस 17**
प्रश्न पत्र :	**आधुनिक भारत-विचार एवं विचारक**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021 तक अध्ययन केन्द्र में प्रस्तुत करें।**

कुल = 30

नोट – निम्नलिखित पाँच में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या 01 : भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का क्या योगदान था?

प्रश्न संख्या 02 : भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में विनायक दामोदर सावरकर की भूमिका की चर्चा करें।

प्रश्न संख्या 03 : आर्थिक राष्ट्रवाद से क्या तात्पर्य है? इसकी व्याख्या करें।

प्रश्न संख्या 04 : बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के योगदान पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 05 : रविन्द्र नाथ टैगोर पर टिप्पणी लिखिए।

एम.ए. इतिहास (सत्र 2019-2021) चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएचएस 18**
प्रश्न पत्र :	**भारतीय संविधान**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021 तक अध्ययन केन्द्र में प्रस्तुत करें।**

कुल = 30

नोट – निम्नलिखित पाँच में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या 01 : "1861 का परिषद अधिनियम भारतीय संवैधानिक इतिहास के विकास-क्रम में एक महत्वपूर्ण सीमा चिह्न है।" कैसे?

प्रश्न संख्या 02 : भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए?

प्रश्न संख्या 03 : उपराष्ट्रपति की शक्तियों एवं योग्यताओं का वर्णन कीजिए?

प्रश्न संख्या 04 : संविधान में मूल अधिकारों के अनुच्छेद-14-32 की विवेचना कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : देश के लोगों के सशक्तीकरण में सूचना के अधिकार की प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए।

एम.ए. इतिहास (सत्र 2019-2021) चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएचएस 19**
प्रश्न पत्र :	**भारत में पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय इतिहास**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021 तक अध्ययन केन्द्र में प्रस्तुत करें।**

कुल = 30

नोट – निम्नलिखित पाँच में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या 01 : धार्मिक स्थापत्य पर्यावरण संरक्षण का संदेश किस प्रकार देते हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : भारत में भू-भाग की क्या स्थिति है? विभिन्न प्रकार के भू-भाग की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : भारत के इतिहास में कृषि के उदय की व्याख्या करते हुए वर्तमान समय में कृषि की स्थिति का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : आधुनिक भारत में पर्यावरण छति की व्याख्या करते हुए इसके कारण का विस्तृत वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : पर्यावरणीय दोहन से उत्पन्न पर्यावरणीय असंतुलन के कारण एवं पर्यावरणीय असंतुलनकी नियन्त्रण की व्याख्या कीजिए।

एम.ए. इतिहास (सत्र 2019-2021) चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएचएस 20**
प्रश्न पत्र :	**लघु शोध प्रबंध**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021 तक अध्ययन केन्द्र में प्रस्तुत करें।**

कुल = 100

- विद्यार्थी को एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा के पूर्व एक लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
- यह लघु शोध प्रबंध हस्तलिखित न्यूनतम 60 पृष्ठों का होगा।
- लघु शोध प्रबंध का विषय विद्यार्थी, संबंधित पाठ्यक्रम संयोजक से संपर्क कर निर्धारित करें।
- विद्यार्थियों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे लघु शोध प्रबंध लेखन करते हुए शोध-प्रविधि का प्रयोग करें।

(पाठ्यक्रम संयोजक)
मो. नं. 8788712148